INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

राकेश कुमार श्रीवास्तव 19.02.2015

[redacted]

20.2.15

20.2.15

§1§ लेख्यकारी:- श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव पिता स्व० बिनोद प्रसाद, जाति- कायस्थ, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा प्रिंस चौक, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 75/2015

523/14

00964/14

223 dt 28.10.14

राकेश कुमार श्रीवास्तव
स्व. विनोद प्रसाद
सिमडेगा
केवाला
8800=00
11/11/2014

जिला कोषागार सिमडेगा

5,000×1=5,000
1,000×3=3,000
500×1=500
100×3=300

Total=8800=00
(आठ हजार आठ सौ)

राकेश कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015
20-02-2015

20-02-2015

[redacted]

श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव
पिता स्व विनोद प्रसाद
सिमडेगा
खेती

20.2.15

20/2/15

§2§ लेख्यधारी :- श्री अजित कुमार पिता स्व० धनू लाल, जाति- वर्णवाल, पेशा- व्यापार, ग्राम- तारानारी, थाना- चन्द्रपुरा, जिला- बोकारो, हाल मोकाम सिमडेगा प्रिंस चौक, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 76/2015

§3§ लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र केवाला बैना कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य :- मोबलिग दो लाख बीस हजार रुपये अंके 2,20,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्पति :- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा, थाना-सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला-सिमडेगा के खाता नं० 12 §बारह§ प्लॉट नं० 5083 §पाँच हजार तिरासी§ कुल रकबा 0.21 एकड़ में से 3.37 डिसमिल §तीन दशमलव तीन सात डिसमिल§ शहरी क्षेत्र के चार भागों में से विक्रय वाला जमीन व्यवसायिक क्षेत्र में पड़ता है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता का टांड़,
दक्षिण :- इसी प्लॉट का अंश शीखा सोनी का हाता दुकान,
पूरब :- हाल खरीदगी नीज क्रेता का टांड़,
पश्चिम :- इसी प्लॉट का अंश दूसरा भाग टांड़ ।
मालगुजारी 2 पैसा §दो पैसा§ अलावे सेस सलाना ।

राजेश्वर कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015

§1§ चूँकि मुझ लेखयकारो को मकान बनाने एवं अन्य घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ा जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेखयधारो से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेखयधारो के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेखयधारो वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन को मेरे बड़े पिताजी स्व० गुप्तेश्वर प्रसाद ने पट्टा संख्या 817 दिनांक 13.12.2001 के द्वारा दान पत्र द्वारा मुझे प्राप्त है । फिलहाल मालगुजारी रसीद मेरे खास नाम से कटता है । उक्त जमीन पर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

राकेश कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015

Scanned with CamScanner

§4§ अब चाहिए कि लेखयधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेखय से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§5§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामो सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

शपथ पूर्वक कहता हूँ कि मैं कायस्थ जाति का हूँ । सरकार के विशेष सचिव, झारखण्ड सरकार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के ज्ञापांक 591 दिनांक 1.3.12 पत्रांक 7 / होल्डिंग हस्ता निति 20/2009 दिनांक 19.6.2012 के द्वारा दी गई सूची में मैं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग में से किसी भी श्रेणी के अन्तर्गत नहीं आता हूँ ।

उक्त बिक्री की जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, खैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरूआ के तहत नहीं है ।

राकेश कुमार कश्यप
19.02.2015

मैं लेख्यकारा यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

राकेश कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बायें हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया ।

राकेश कुमार श्रीवास्तव 19.02.2015

--6--

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन को खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

Ajit Kumar
19/2/15

राजेश कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015

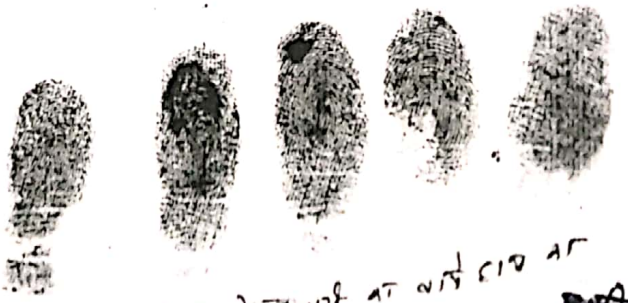

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी का नाम दाता का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे निकट लिया गया

Scanned with CamScanner

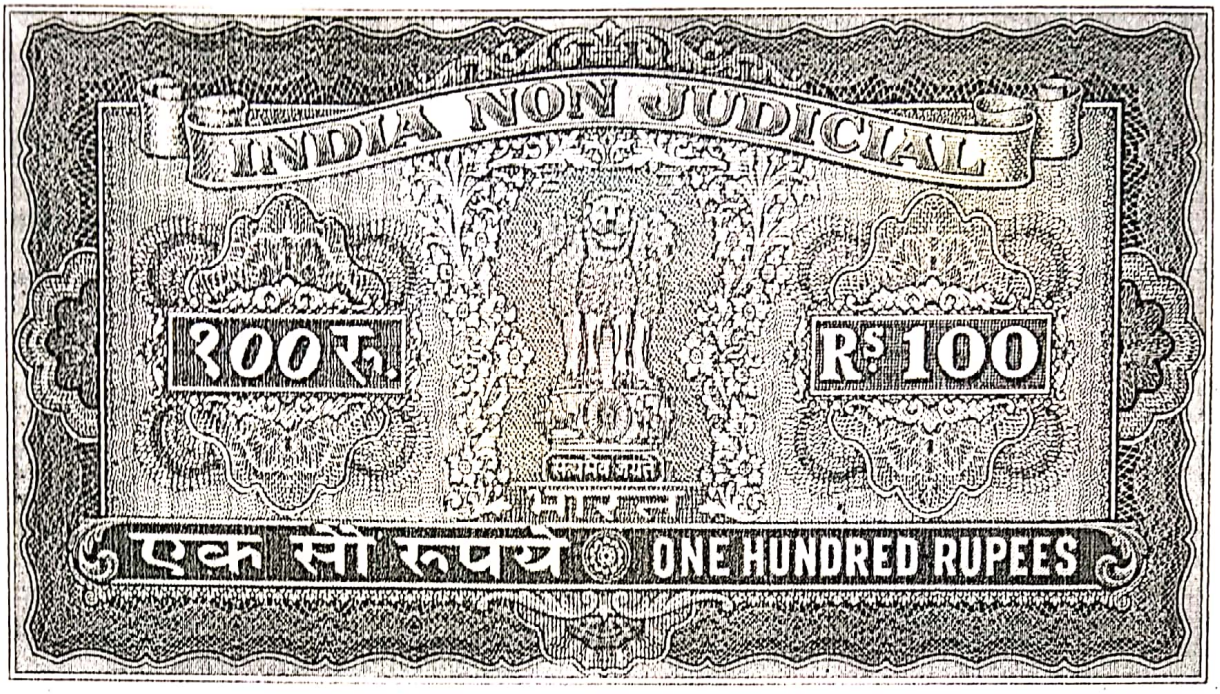

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- आत्माराम शर्मा
अधिवक्ता

{प्रारूपकर्ता}
तारीख:- 19.2.15

राजेश कुमार श्रीवास्तव
19.02.2015